महत्वपूर्ण काम को किया है। स्वच्छता आज गांव का स्वभाव बन रहा है। गांव भी इस जिम्मेदारी को लेने लगा है। आजादी के 70 साल बाद भी देश के 18 हजार गांव ऐसे हैं, जहां के लोग 18वीं शताब्दी में जीते हैं। उन्होंने बिजली देखी ही नहीं है। हमने बीड़ा उठाया कि एक हजार दिन में 18 हजार गांव में बिजली पहुंचाएंगे और मुझे खुशी है कि

राज्य सरकारों ने भी उसमें हाथ बंटाया भारत सरकार ने भी उसमें तेजी लाई और आज बहुत तेजी से 18 हजार गांव के उस लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। अब हमारा सपना है गांव हो या शहर 24 घंटे बिजली मिलनी चाहिए। नानाजी की जन्मशती के दिन देशभर के ग्रामीण जीवन के लोग आए हैं। भारत सरकार के सभी संबंधित विभाग ग्रामीण जीवन में बदलाव लाने का संकल्प लेकर काम कर रहे हैं। गांव के लोग भी ये संकल्प लेकर चले कि वह गांव को देंगे और गांव देश को देगा तो 2022 तक देश की तस्वीर बदल जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ग्रामीणों की सेवा और सशक्तिकरण के लिए नागरिक केन्द्रित मोबाइल एप ग्राम संवाद का भी शुभारम्भ किया गया। जिसमें नागरिक विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के बारे में ग्राम पंचायत स्तर पर एकल विंडो पर जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस एप में ग्रामीण विकास मंत्रालय के सात कार्यक्रमों को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री द्वारा 20 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान भवनों (आरएसईटीआई) तथा आईएआरआई में प्लान्ट फिनोमिज़्स सुविधा का डिजिटल पद्धति से उद्घाटन भी किया गया। इसमें फिनोमिज़्स केन्द्र का नाम श्रद्धेय नानाजी के नाम से किया गया है। इसके अलावा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान भवनों में दस नानाजी तथा दस जेपी के नाम पर रखा गया।

पूसा संस्थान में ग्रामीण भारत को चित्रित करती प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उस प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में स्वयंसेवी संस्थान के लोगों से बातचीत भी की। ग्रामीण जनजीवन, वहां उत्पादित होनी वाली वस्तुओं, वनक्षेत्र में पाई जाने वाली वस्तुओं का ग्रामीण विकास में कैसे उपयोग हो सकता है, इसका बहुत संजीदा तरीके से प्रदर्शन किया गया था। पशुपालन की पद्धति, किस तरह के पशुपालन से पशुओं की संख्या बढ़ाई जा सकती है और उसे आमदनी का जरिया भी बनाया जा सकता है, इसके कई उदाहरण प्रदर्शित किए गए थे। श्री मोदी ने सभी लोगों से कहा कि वह समय निकालकर एकबार प्रदर्शनी जरूर देखें। उन्होंने कहा कि आप कितने ही व्यस्त ज्यों न हो, जाने की कितनी ही जल्दी ज्यों न हो, इस प्रदर्शनी की हर चीज को बारीकी से देखिए। आप यह जानने का प्रयास करिए कि यहां जो प्रदर्शित किया गया है, उसमें ज्या आपके गांव में लागू हो सकता है। हर चीज को देखिए और अच्छी चीजों को अपने गांव लेकर जाइए।